Regarding problems faced by Ostomy patients

श्री गजानन कीर्तिकर (मुम्बई उत्तर पश्चिम): सभापति महोदय, देश में ओस्टोमी पेशेंट करीब पाँच लाख की संख्या में है । ये मरीज ऐसे बनते हैं कि उनके शरीर का मलमूत्र नैसर्गिक मार्ग से डिसचार्ज नहीं होता है । इसलिए उनको पेट में थैली यानी बैग लगानी पड़ती है । इससे उनका प्रवास जैसे कोई सफर करना है, गाड़ी में चलना है, उनके लिए यह बहुत कठिन परिस्थिति होती है । इसलिए, उनको विकलांग श्रेणी में लाना जरूरी है । मैं स्वास्थ्य मंत्रालय से इसकी लगातार माँग करते आ रहा हूं । आज लगातार तीन वर्ष हो गये, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं की जा रही है ।

सभापति महोदय, मैं एक और माँग करता हूं । इस थैली की कीमत एक महीने में 3000 रुपये आती है । देश भर में पाँच लाख की आबादी है । इसलिए, मरीज को नि:शुल्क थैली उपलब्ध करवाया जाए और उनको विकलांग श्रेणी में लाना चाहिए । मैं स्वास्थ्य मंत्रालय से प्रार्थना पूर्वक इसकी मांग करता हूं । जय हिन्द ? जय महाराष्ट्र ।